दिसंबर तक 79.8 लाख टन प्रॉडक्शन में से 3 लाख टन का एक्सपोर्ट

चीनी के प्राइसेज के साथ एक्सपोर्ट में भी मजबूती

पीटीआई | नई दिल्ली |

देश में चीनी उत्पादन 2015-16 सीजन के पहले तीन महीनों में 6.5 पर्सेंट बढ़कर 79.8 लाख टन हो गया। वहीं इस दौरान 3,00,000 टन चीनी निर्यात की गई। यह जानकारी शुगर इंडस्ट्री की संस्था ISMA ने मंगलवार को दी।

पिछले एक पखवाड़े में एक्स-मिल शुगर प्राइसेज 1-2 रुपये प्रति किलो बढ़ी हैं, लेकिन वे अब भी इस सीजन में अक्टूबर-नवंबर के दौरान रही उत्पादन लागत से कम हैं। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) की ओर से जारी उत्पादन के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस साल अक्टूबर-दिसंबर के दौरान देश में चीनी उत्पादन बढ़कर 79.8 लाख टन हो गया। यह सालभर पहले के 74.9 लाख टन से 6.5 पर्सेंट ज्यादा है। चीनी उत्पादन के मामले में अग्रणी राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन इस दौरान 32.6 लाख टन से बढ़कर 33.7 लाख टन हो गया। राज्य में एवरेज शुगर रिकवरी इस साल 10.36 पर्सेंट रही; जो पिछले साल 10.44 पर्सेंट थी।

चीनी उत्पादन के मामले में देश में दूसरे नंबर पर मौजूद उत्तर प्रदेश में उत्पादन इस सीजन के अक्टूबर-दिसंबर में मामूली तौर पर बढ़कर 18.3 लाख टन रहा। सालभर पहले की इसी अवधि में उत्पादन 16.9 लाख टन था। यूपी में ऐवरेज शुगर रिकवरी 9.2 पर्सेंट रही। ISMA ने एक बयान में बताया कि कर्नाटक में शुगर प्रॉडक्शन 12.4 लाख टन से बढ़कर 15.5 लाख टन हो गया। वहीं गुजरात में आंकड़ा 3,88,000 टन से बढ़कर 4,40,000 टन का रहा।

इस साल अब तक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में शुगर प्रॉडक्शन 41,000 टन घटकर 2,15,000 टन रहा। वहीं तमिलनाडु में उत्पादन कमोबेश सालभर पहले की अवधि के लेवल पर ही रहा। वहां 80,000 टन चीनी बनाई गई। अन्य राज्यों में शुगर प्रॉडक्शन लगभग जस का तस रहा। बिहार में 1,40,000 टन, हरियाणा में 1,00,000 टन, पंजाब में 95,000 टन, उत्तराखंड में 70,000 टन और मध्य प्रदेश में 75,000 टन चीनी बनाई गई।

एक्सपोर्ट्स के बारे में ISMA ने कहा कि शुगर मिलों ने अभी तक करीब 8 लाख टन चीनी के निर्यात के कॉन्ट्रैक्ट किए हैं और लगभग 3,00,000 टन चीनी निर्यात कर चुकी हैं। उसने अपने बयान में कहा 'चूंकि इंडिया में गन्ने की लागत ऊंची है और ग्लोबल प्राइसेज में नरमी है, इसलिए देश में चीनी मिलों ने न के बराबर रॉ शुगर बनाई है और वे मुख्यतः व्हाइट शुगर निर्यात कर रही हैं।'

● **चीनी उत्पादन** के मामले में अग्रणी राज्य महाराष्ट्र में उत्पादन इस दौरान 32.6 लाख टन से बढ़कर 33.7 लाख टन हो गया

चीनी के दाम के बारे में ISMA ने कहा कि पिछले एक पखवाड़े में डोमेस्टिक एक्स-मिल शुगर प्राइसेज 1-2 रुपये प्रति किलो बढ़ी हैं, लेकिन अक्टूबर-नवंबर 2015 के लिए ऑल इंडिया ऐवरेज एक्स-मिल प्राइस 27-28 रुपये किलो रही है, जो उत्पादन लागत से 4-5 रुपये प्रति किलो कम है। 2015-16 (अक्टूबर-सितंबर) के दौरान देश में 2.6-2.7 करोड़ टन चीनी उत्पादन होने की संभावना है और इस तरह लगातार छठे साल सरप्लस शुगर प्रॉडक्शन होगा। केंद्र सरकार ने चीनी मिलों के लिए इस सीजन में 40 लाख टन चीनी निर्यात करना अनिवार्य कर दिया है।